

उमेश पाल की हत्या के बाद से अतीक अहमद का नाम एक बार फिर चर्चा में है

(आधुनिक मसाचार सेवा) लखनऊ। परिवार दर बदर है, तो अतीक अहमदबाद की जेल में बैरेन गुनाहों का बेताज बादशाह बन करने की तैयारी कर रही है। अतीक

मुकदमा संख्या थी- 431 /79। इस के बाद एक तांगा घटाने वाले फिरोज अहमद का बेटा अतीक है, जोकि यूपी पुलिस उसे पृथक्षात् गुनाहों का बेताज बादशाह बन गया। थीरे-थीरे उसका नाम

शौकीन थे। जिसके चलते अतीक भी कुश्ती लड़ता था। इसी वजह से इलाके में लोग उसे पहलवान नाम से भी बुलाते थे। पढ़ाई में मन नहीं लगने के चलते अतीक ने इन्द्र तक ही पढ़ाई की। इसके बाद 17 साल की उम्र में इलाके ही रंगदारी वसूलने लगा। पहली रंगदारी अपने मोहल्ले में ही वसूली। अब अतीक अहमद राजनीतिक गणियारे में रसूख बनाने के लिए हर हथकंडा अपना रहा था। इसी कड़ी में 1995 में उसे पहचान मिली। उसका नाम लखनऊ में ऐस्ट हाउस काड में आया। सपा सरकार को बचाने के लिए उसने तकालीन बसपा प्रमुख मायावती और उनके दल के तमाम लोगों को बंधक बना लिया। लखनऊ के थाना हजरतगंज में अतीक पर मुकदमा दर्ज हुआ। जिसकी विवेचना क्रांति ब्रांच, अपराध और अनुसंधान विभाग लखनऊ (छत्ती) ने की थी।

इसमें उसका नाम प्रमुख अभियुक्त के रूप में नाम दर्ज किया गया।

इसके साथ ही प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एक ही दिन में 114 केस अतीक के खिलाफ दर्ज किये गए। अब बारी अतीक के आतंक और जुर्म के दमन की थी।

2017 में भाजपा की सरकार आई। पुलिस ने अतीक और उसके गुर्गे पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। इसी का नतीजा है कि आज अतीक गजरात की सावरमती जेल में बंद है। अतीक का भाई अशरफ बरेली जेल में बंद है। उसका एक बेटा उमर लखनऊ और दूसरा बेटा प्रयागराज नैनी जेल में बंद है। अतीक की पत्नी के खिलाफ भी 25 हजार का इनाम घोषित हो चुका है। वहीं, उसके दो नाबालिंग बेटे भी उमेश पाल हत्या कांडे के बाद पुलिस की रडान पर हैं। अतीक गैंग पर पिछले दिनों योगी सरकार का बुडोजर भी जमकर चला है। पुलिस ने गैंग के 14 सदस्यों को करते हुए गुंडा एकट में कार्रवाई की। वहीं 22 की दिस्त्रीशीट खुली और दो गुर्गे को जिला बंदर किया गया। पुलिस ने गैंगस्टर एकट के तहत अब तक 415 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। 68 शस्त्र लाइसेंस भी रह कर दिए गये हैं। 751 करोड़ रुपए की संपत्ति यों को भी जीमीदेज किया गया है।

उमेश पाल हत्या की तैयारी बसपा से निष्कासन का खतरा

(आधुनिक मसाचार सेवा)

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में माफिया की अहमद के पूरे परिवार पर कार्रवाई जारी है। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम सबसे सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में हत्या का पहला मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद उसने अपनी गंग बनाई, जिसे घ- 227 नाम दिया। आज इस गंग के 34 धूमराज नाम दिया है। 1979 में पहली बार अतीक का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ। इसका केस धारा 302 के तहत खुलाबाद थाने में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की आपाराधिक गतिविधि पर लगाम लाना और इसी सरकार ने 1985 में युंडा और 1986 में मैंगस्टर की कार्रवाई की। साथ ही और कड़ी नियमानी के लिए 17 फरवरी 1992 को इसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई, जिसका हिस्ट्रीशीट नंबर 39 है। उसके गंग का नाम आईएस-227 है। अब बारी थी राजनीति की।

के जुर्म की एक लंबी दास्तान है, जो शुरू तो होती है प्रयागराज से, लेकिन मशहूर पूरे देश में है। अतीक पर 1979 में हत्या का पहला मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद उसने अपनी गंग बनाई, जिसे घ- 227 नाम दिया। आज इस गंग के 34 धूमराज नाम दिया है। 1979 में पहली बार अतीक का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की आपाराधिक गतिविधि पर लगाम लाना और इसी सरकार ने 1985 में युंडा और 1986 में मैंगस्टर की कार्रवाई की। साथ ही और कड़ी नियमानी के लिए 17 फरवरी 1992 को इसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई, जिसका हिस्ट्रीशीट नंबर 39 है। उसके गंग का नाम आईएस-227 है। अब बारी थी राजनीति की।

के जुर्म की एक लंबी दास्तान है, जो शुरू तो होती है प्रयागराज से, लेकिन मशहूर पूरे देश में है। अतीक

की हत्या की साजिश में शमिल होने का आरोप है। पुलिस रिकॉर्ड में शाइस्ता की जा रही है। उमेश पाल की हत्या के एक परवाने वाले पुलिस ने अतीक की बेग शाइस्ता को वांछित किया। अतीक अहमद के साथ किसी नन्सनोखेंज वारदात में पहली बार शाइस्ता परवान को अहमद की बेटे बदर पर चिन्हित किया गया है। पुलिस ने उस पर पहली बार शाइस्ता परवान को बहुजन समाज की बहुजन दास्तान दिखाने पर कोई बड़ा निर्णय ले लिया जाएगा।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इनमें कोई अहमद का नाम बाजार के केस में सामने आया। तब उसकी उम्र की बीमारी और उसके गुर्गे पर 1979 में गो. गुलाम हत्याकांड में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हुआ।

प्रयागराज के माफिया चांद बाबा और कपिल मुनि करवरिया से ऊपर गिना जाने लगा। वह पूरे प्रदेश में जमीन कब्जा करना, हत्या, लूट, डकैती और फिरौती की घटनाओं को अंजाम देने लगा। अतीक की पत्नी शाइस्ता पर्वीन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बाद अब इ

सम्पादकीय

ग्रामीण मांग में तेजी आने के साथ ही आर्थिकी को भी मिलेगा लाभ

पिछले दिनों एक प्रायोगिक मन्त्री नरेन्द्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की तेरहवीं किस्त जारी की। इसके द्वारा आठ करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों के खातों में कुल 16,800 करोड़ रुपये की नकद धनराशि हस्तांतरित की गई। वर्ष 2019 के आम चुनाव से पहले मोदी सरकार ने दो बार भी इसी योजना को अपेक्षित किया जायार पर हाजारों किलो ग्राम तो आगामी वित्त वर्ष से इसमें मिलने वाली धनराशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये किया जाना चाहिए था, परंतु पिछले चार वर्षों में फसलों की बढ़ती लागत का संपूर्ण आकलन करें तो आगामी वित्त वर्ष के बजट में इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली राशि

न किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की शुरुआत की थी। इस सराहनीय योजना में किसान परिवारों की आर्थिक मदद के लिए तीन बाबर किस्तों में कुल 6,000 रुपये प्रति वर्ष डायरेक्ट बैनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरण करने का प्रविधान है। अब तक इस योजना के तहत लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण पात्र किसानों के खातों में किया जा चुका है। इस योजना में जोड़े से पहले लाभार्थी किसानों के आधार कार्ड, बैंक खातों, भूमि स्वामित्व अधिग्रहण और मोबाइल नंबर आदि के माध्यम से संपूर्ण सत्यापन किया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें लाभार्थियों के बैंक खातों में बिना किसी बिचौलिये के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से एक बटन दबाकर सीधे धनराशि हस्तांतरित होती है। इससे एक तो इस धनराशि की विद्युतीकरण की ओर दूसरी ओर विद्युतीकरण की ओर आयकर यानी कारपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत करने से केंद्र सरकार पर लगभग

बदरबाट नहीं होता यानी 100 प्रतिशत राशि सीधे केवल पात्र किसानों को ही प्राप्त होती है और प्रशासनिक खर्च भी कम होता है, जिससे सरकारी धन की बचत हो रही है। सारे देश के किसान मानते हैं कि मोदी सरकार की यह योजना उनके लिए अत्यंत लाभकारी है। किसानों के लिए यह राशि खाद, बीज, तेल आदि खरीदने, बच्चों की फीस, दवाई, सिंचाई एवं अन्य छोटे-मोटे खर्चों में बहुत कम आती है। आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में इस योजना के लिए 60,000 करोड़ रुपये के बजट का आवंटन किया गया है। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के संशोधित बजट अनुमान के बराबर ही है। इस योजना को शुरू हुए चार वर्षों से ज्यादा का समय बीत गया है, परंतु अभी तक इसके अंतर्गत मिलने वाली 6,000 रुपये की धनराशि में कोई वृद्धि नहीं की गई है। सरकार में बैठे अर्थशास्त्री भी इस बात से सहमत होंगे कि वर्ष 2019 से अब तक मुद्रास्फीति यानी महंगाई दर के कारण इस धनराशि के लगभग एक तिहाई मूल्य का हास हो चुका है। यदि केवल महंगाई दर के 1.50 लाख करोड़ रुपये का बाज़ पड़ा था, जो हर साल बढ़ता जा रहा है। सरकार को आशा थी कि कारपोरेट टैक्स कम करने से कंपनियां निवेश बढ़ाएंगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। मांग के अभाव में जब अधिकांश उद्योग अपनी पूरी क्षमता पर उत्पादन न कर रहे हैं तो नए उद्योगों में निवेश का कोई सवाल ही नहीं उठता। घरेलू मांग और उपभोग से ही हमारी जीडीपी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आता है। अतः वैशिक एवं अन्य कारणों से देश की मंद होती अर्थव्यवस्था में घरेलू मांग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में धन का प्रवाह बढ़ाना होगा, जहां आज भी देश की 70 प्रतिशत आबादी बसती है। यदि प्रत्येक किसान परिवार को पीएम-किसान योजना में 12,000 रुपये सालाना मिलने लगे तो ग्रामीण क्षेत्रों में तुरंत क्रिय-शक्ति बढ़ेगी और इस राशि को खर्च करने से देश की अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ेगी। मांग बढ़ने से बिक्री, उत्पादन और अंततः रोजगार भी बढ़ेगा। धन के इस अतिरिक्त प्रवाह का अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव (मट्टीलालयर फेक्ट) भी पड़ेगा, जिससे आर्थिकी को गति मिलेगी।

संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए एकिटव मोड में पीएम

संसद के बजट सत्र का दूसरे चरण चल रहा है और आज फिर दोनों सदनों में राहुल से माफी की मांग को लेकर हंगामा जारी है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी से लंदन में भारत की छवि खराब करने को लेकर माफी की मांग की तो कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने में बहाई दी गई है। राजसभा में जया बच्चन सहित विभिन्न नेताओं ने कहा कि भारतीय फिल्म जगत का नाम इससे रोशन हुआ है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आज सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती। ऐसा बताया क्योंकि उन्हें



राज्यसभा, दोनों में राहुल से माफी की मांग की गई। इस बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को सुचारा रूप से छलाने के लिए आज वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, किरण रितिजु, अनुराग ठाकुर और नितिन यादव भी बैठक में शामिल हैं।

विश्व आर्थिकी का केंद्र बनता भारत, वैश्विक अनिष्टिचत्ता के बीच देश की अहमियत बढ़ता मजबूत आर्थिक प्रदर्शन

इन देनों भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में प्रकाशित दो रिपोर्ट को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। जहां संयुक्त राष्ट्र की 'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं, 2023' रिपोर्ट में भारत को उद्योग-कारोबार और निवेश के मद्देनजर विश्व का आकर्षक स्थल बताया गया है, वहीं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में इसकी अहमियत बढ़ा रहा है।

को अर्थव्यवस्था चीन को अर्थव्यवस्था की तुलना में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है। आईएमएफ के अनुसार इस वित्त वर्ष में चीन की अर्थव्यवस्था में कीब 3.3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। आगामी वित्त वर्ष में उसकी वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था चीन से होड़ लेने में इसलिए भी सफल दिखाई दे रही है, क्योंकि जहां कई वैश्विक कारक भारत के हित में हैं, वहीं चीन के सामने कई आर्थिक मुश्किलें हैं। इस समय चीन में युवा कामगारों

भी मजबूती प्रेमल रही है। हाल में माइक्रोसाप्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि इस समय दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार की डगर पर तेजी से आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में विकास कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक, 2023 में बौद्धिक संपदा आधारित नवाचार के मामले में भारत को दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर चिह्नित किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत का आकार और पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2021 में इस इंडेक्स में भारत 46वें पायदान पर था। 2015 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 81वें स्थान पर था। बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार के आधार पर भारत निवेश हासिल करने के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे भारत में इंटरनेट आप थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में बने शोध एवं विकास और स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक कंपनियां अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रही हैं। अरब डालर था, वह चालू वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 750 अरब डालर हो सकता है। आज भारत सबसे तेज डिजिटलीकरण वाला देश है। इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान वें तहत मैन्यूफॉर्करिंग सेक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए पिछले दो वर्ष में केंद्र सरकार ने पीएलआइ स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन सुनिश्चित किया है। इसके परिणाम आने लगे हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन से आयात की जाने वाली दवाई, अब 35 से आधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को कई मोर्चों पर लाभ मिलेगा। यद्यपि विश्व में भारत सबसे आर्कषक अर्थव्यवस्था गले देश के निर्यातीकों के बढ़ाने और व्यापार घाटे की चुनौती अभी वैश्विक सुस्ती के कारण निर्यातीकों को कम करने के लिए कुछ रणनीतिक कदम उठाए जाने की जरूरत बनी हुई है। इसके लिए हमें नई लाजिस्टिक नीति और गतिशील योजना को तेजी से आगे बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को



भारत 15 प्रतिशत से भी अधिक का योगदान देगा। जहां चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक करीब 6.8 प्रतिशत होगी, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6.1 प्रतिशत के साथ फिर दुनिया में सर्वोच्च होगी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि भारत पिरावट के दौर में है। वहां विनिर्माण और वित्त की समस्या है। चीन के प्रति वैश्विक नकारात्मकता और अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों में कड़वाहट का भी उसकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। जैसे-जैसे भारत बौद्धिक संपदा, शोध एवं नगाचार में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हमारी आर्थिकी को

रहा है। ऐसी स्थिति में भारत आईपी-प्रेरित नवाचारों की मदद से अपनी आर्थिकी का कायाकल्प करने की मंशा रखने वाली तमाम उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अग्रणी देश बन सकता है। इसी तरह ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स, 2022 में भारत शोध एवं नवाचार की डगर पर छलांग लगाते हुए 40वें स्थान देशों की कंपनियों ने भारत में अर्थव्यवस्था के 61 क्षेत्रों में निवेश किया है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत को रिकार्ड स्तर पर 84 अरब डालर का विदेशी निवेश मिला था। वैश्विक नियर्यात चुनौतियों के बीच भारत से नियर्यात भी बढ़ रहा है। वर्ष 2021-22 में उत्पाद एवं सेवा नियर्यात का जो मूल्य करीब 676 विकल्प बनाने में सफल हुए हैं। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक आर्थिक साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक ने गत वर्ष डालर पर निर्भरता कम करने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रूपये में करने का प्रस्ताव दिया था। मारीशस और श्रीलंका द्वारा भारतीय रूपये में विदेशी व्यापार शुरू करने के बाद होगा। दुनिया के विभिन्न देशों के साथ शीघ्रतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। शोध एवं नवाचार पर सकल घरेलू उत्पाद का दो प्रतिशत तक व्यय बढ़ाना होगा। तभी 'चीन प्लस रन' की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया का नया आपूर्ति केंद्र तथा मॅन्यूफैक्चरिंग हब बन सकेगा।

नए युग में भारत-आस्ट्रेलिया संबंध, दाना दश हृद
प्रशांत के सामरिक ढांचे का कायाकल्प करने में सक्षम

बड़ी[^] तपतरा के साथ नए सिरे से
गढ़ने में लगा है। एथ्नी अलबनीज
की सरकार चीन के साथ रिश्तों
में नरमी लाने की दिशा में काम
कर रही है, जिसके साथ कैनबरा
के संबंध हाल के वर्षों में काफी

चाहिए। क्वाड के सदस्य दो देशों के साथ कैनबरा की बढ़ती सांझेदारी को चीन सहजता से नहीं ले पाएगा। उल्लेखनीय है कि अलबनीज के अमेरिकी दौरे पर आस्ट्रेलिया के लिए परमाणु पनडुब्बी की आपूर्ति

की क्षमताओं से लैस सातवां देश बन जाएगा। हालांकि, यह मामला परमाणु पनहुँबियों से कहीं बढ़कर तीन पारंपरिक सामरिक साझेदारों के बीच मजबूत होते रिश्तों का है, जिन्हें अपने समक्ष उत्पन्न हो रही

वास्तविक संभावनाओं का आभास हुआ। भारत में अलबनीज ने न केवल व्यापार, सुरक्षा, सामरिक और शैक्षणिक विषयों पर चर्चा की, बल्कि होली खेलने के साथ ही क्रिकेट का लुक्फ़ भी उठाया, जो दर्शाता है

वहीं आस्ट्रेलियाई सरकार की वांशा है कि उनकी कंपनियां चीन में इतर निवेश की राह पर बढ़े। अंग्रेजी भारत काबिन उत्सर्जन को बटाकर हरित ऊर्जा की दिशा में व्यग्रसर हो रहा है तो इसमें



जबरदस्त पलटवा न सधाया म
कड़वाहट धोल दी, जिसे दूर करने
के लिए आस्ट्रेलिया के वाणिज्य
मंत्री ने गत माह अपने चीनी समकक्ष
के साथ वर्दुअल बार्टा की।
आस्ट्रेलिया ने भले ही चीन के साथ
संबंधों को सामान्य बनाने के संकेत
दिया है, लेकिन अपनी विदेश नीति
के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया
है कि इसमें उसके हित ही सर्वोपरि
चौरे। अपारेंसिएर्स, पार्टी-पार्टी

में जाकस समझत स खुला था
आस्ट्रेलिया यूएस वर्जिनिया-कलास
पनइब्बी खरीद रहा है। उसकी तीन
से पांच ऐसी पनइब्बी खरीदने की
योजना है। आकस के साथियों
अमेरिका और ब्रिटेन के साथ एडिलेड
में उसकी साझा डिजाइन की भी
तैयारी है। कैनबरा को परमाणु
पनइब्बी क्षमताएं बहुत तेजी से
मिलने जा रही हैं। इससे हिंद-प्रशांत
भैंग में यांत्रिक उत्पन्नित अपारा।

एक सहयोग का तत्काल बढ़ाने का आवश्यकता है। कुछ हलकों में आरंभिक हिचक के बाद आस्ट्रेलियाई राजनीतिक बिरादरी इस अहम साझेदारी के लिए आगे आई है। यही बात भारत-आस्ट्रेलिया संबंधों के बारे में भी कही जा सकती है, जिसके लिए दलगत भावना से परे जोरदार भावनाएं उभार ले रही हैं, जबकि कई वर्षों से यह साझेदारी शोधित गवाना से आगे चर्चे तक वष आधिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर बनी सहमति से व्यापार के मोर्चे पर महत्वाकांक्षाएं कहीं अधिक बढ़ गई हैं। इस समझौते से आस्ट्रेलिया से भारत को होने वाले 85 प्रतिशत नियर्यात पर शुल्क खत्म हो गया। दोनों देश व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर भी प्रतिबद्ध हैं। अलबनीज ने कहा कि दोनों साल के अंत तक दोनों पर्यावरण आयोग जो विकल्प पर बात आग बढ़ा है। सोलर पीरी और आपूर्ति शृंखला को गति देने के लिए आस्ट्रेलिया-भारत सोलर टास्कफोर्स जैसी संकल्पना सुनने को मिली। प्रमुख खनिजों के मामले में भारत की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए लीथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की निर्बाध आपूर्ति को लेकर भी दोनों देश काम कर रहे हैं। उपर्युक्त शोधित गवाना एवं व्यापक अवधारणा और सामरक नातवा का तेजी से नए तेवर दे रहा है तो भारत इससे सृजित हो रहे व्यापक अवसरों का लाभ उठा सकता है। आस्ट्रेलिया ने यह कहकर अपनी मंशा भी स्पष्ट कर दी है कि भारत हिंद-प्रशांत और उससे इतर भी आस्ट्रेलियाई रणनीति के मूल में है तो स्पष्ट है कि द्विक्षीय संबंधों में नई सभावनाओं के द्वारा खुले गए हैं। दोनों सालों तकी में चिन-

